- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 अभी और सताएगी ठंड! नए साल में कोहरे का भी सितम, साढ़े 5 डिग्री लुढ़का पारा

04 कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, बुधवार, 03 जनवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 319

PM ने तिरुचिरापल्ली में राष्ट्र को समर्पित की हवाईअड्डा की नई इमारत

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तिरुचिरापल्ली में नए हवाईअड्डा की इमारत का उद्घाटन किया। इस हवाई अड्डे की इमारत के निर्माण पर लगभग 1100 करोड़ रुपये की लागत आई है। साथ ही प्रधानमंत्री ने भारतीदासन विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित भी किया। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु के दौरे पर तिरुचिरापल्ली पहुंचे। मोदी ने यहां नए हवाईअड्डा की इमारत का उद्घाटन किया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि इस हवाई अड्डे से कनेक्टिविटी बढ़ेगी और इसके माध्यम से क्षेत्र के आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक है अग्निपथ स्कीम

अखिल भारतीय कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया दावा

बीएनएम@नई दिल्ली

अखिल भारतीय कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल (सेनि.) रोहित चौधरी ने कहा कि अग्निपथ स्कीम देश की सुरक्षा प्रणाली के लिए बेहद खतरनाक और घातक है। सेना के पूर्व प्रमुख एमएम नरवणे ने खुद अपनी किताब में लिखा है कि अग्निपथ स्कीम सेनाओं के लिए चौंकाने वाली योजना थी। पूर्व प्रमुख एमएम नरवणे के अनुसार ये उनकी मांगी हुई स्कीम नहीं थी।

चौधरी ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे बड़ी बात,

जो भर्तियां रद्द की गईं, उसमें आवेदकों से फॉर्म फीस के नाम पर 100 करोड़ से ज्यादा रुपये इकट्ठा किए गए। ये 100 करोड़ का 'भर्ती स्कैम' है! आखिर इसका जिम्मेदार कौन है?

चौधरी ने कहा कि अग्निपथ स्कीम आने से पहले करीब 1.5 लाख से ज्यादा युवा आर्मी, एयरफोर्स और नेवी में चयनित किए गए थे लेकिन अग्निपथ स्कीम आने के बाद मोदी सरकार ने इनके सपनों को चूर-चूर कर दिया। 7,000 युवा एयरफोर्स में अपने जॉइनिंग लेटर का इंतजार करते रहे लेकिन उन्हें लेटर नहीं दिया गया। इसी तरह आर्मी में 2,500 नर्सिंग असिस्टेंट को देश सेवा का मौका नहीं दिया गया।

चौधरी ने कहा कि हमारी मांग है कि आर्मी-एयरफोर्स की जिन 100 भर्तियों में 1.5 लाख से ज्यादा बच्चे चयनित किए गए थे, उन्हें तुरंत जॉइनिंग दी जाए।

भर्ती फीस के नाम पर जो 100 करोड़ रुपये से ज्यादा पैसा इकट्ठा किया गया है, देश को उसका हिसाब दिया जाए। 64 युवाओं की आत्महत्या का जिम्मेदार कौन है? इन 1.5 लाख युवाओं को उचित सम्मान और आयु सीमा में छूट दी जाए।

ड्राइवरों के हितों का हनन करने वाला है केन्द्रीय कानून: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता व लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने ड्राइवरों के हितों का हनन करने वाला कानून बनाया है। इसलिए वह हड़ताल को मजबूर हुए हैं। राहुल ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि बिना प्रभावित वर्ग से चर्चा और बिना विपक्ष से संवाद के कानून बनाने की जिद लोकतंत्र की आत्मा पर निरंतर प्रहार है। जब 150 से अधिक सांसद निलंबित थे, तब संसद में भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, ड्राइवरों के विरुद्ध एक ऐसा कानून बनाया, जिसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

राहुल ने कहा कि सीमित कमाई वाले इस मेहनती वर्ग को कठोर कानूनी भट्ठी में झोंकना उनकी जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस कानून का दुरुपयोग संगठित भ्रष्टाचार के साथ 'वसूली तंत्र' को बढ़ावा दे सकता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने अपराध को लेकर हाल ही में नए कानून बनाए हैं। इस कानून के तहत कोई ट्रक या डंपर या बस चालक किसी शख्स को कुचलकर भाग जाता है तो उसे 10 साल की सजा हो सकती है। इस मामले को लेकर ड्राइवर्स दो दिनों से हड़ताल पर हैं। हालांकि केन्द्र सरकार का कहना है कि हिट एंड रन मामले में जो प्रावधान बढ़ाया गया है 10 साल तक, ये सुप्रीम कोर्ट के ऑब्जर्वेशन के तहत लिखा गया है।

केंद्र और ट्रकर्स बॉडी में हड़ताल खत्म करने पर सहमति

बीएनएम@नई दिल्ली

देशव्यापी ट्रक ड्राइवरों का आंदोलन समाप्त हो गया है, क्योंकि सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह हिट-एंड-रन के खिलाफ विवादास्पद कानून लागू करने से पहले उनसे परामर्श करेगी। सरकार के साथ लंबी बातचीत के बाद ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने आंदोलन खत्म करने की घोषणा की। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा ₹हमने ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। सरकार कहना चाहती है कि नया नियम अभी लागू नहीं किया गया है। भारतीय न्याय संहिता 106/2 को लागू करने से पहले हम ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे। उसके बाद ही हम कोई निर्णय लेंगे।"

एआईएमटीसी की कोर कमेटी के अध्यक्ष बाल मलकित ने पुष्टि की, नए कानून लागू नहीं किए गए हैं। इसे ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के परामर्श के बाद ही लागू किया जाएगा। यह विरोध भारतीय न्याय संहिता या बीएनएस की धारा 106(2) को लेकर था। इसमें हिट-एंड-रन मामलों में सख्त दंड का प्रावधान था। ट्रक ड्राइवरों ने अखिल भारतीय हड़ताल करने की धमकी दी थी, जिससे ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की कमी को लेकर घबराहट फैल गई थी। विरोध प्रदर्शन जम्मू-कश्मीर, बिहार, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में फैल गया था। नए कानून के तहत, हिट-एंड-रन मामलों में 10 साल तक की जेल और 7 लाख का जुर्माना हो सकता है। वर्तमान में दो साल तक की जेल की सजा और हल्का जुर्माना है। अधिकतम 10 साल की सजा तब होगी जब अपराधी ने लापरवाही से गाड़ी चलाकर किसी की जान ले ली हो और पुलिस को मामले की सूचना दिए बिना भाग गया हो।

भल्ला ने ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस और सभी ड्राइवरों से अपनी-अपनी नौकरी पर लौटने की अपील की। गृह सचिव ने कहा कि सरकार और ट्रांसपोर्टर इस बात पर सहमत हुए हैं कि परिवहन कर्मचारी तुरंत अपना काम फिर से शुरू करेंगे।

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने ट्रक ड्राइवरों से हड़ताल वापस लेने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार ने आश्वासन दिया है कि उसके सदस्यों के साथ चर्चा के बाद ही 'हिट एंड रन' मामलों से संबंधित नए कानून लागू किए जाएंगे। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के अध्यक्ष अमृत लाल मदान ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दस साल की सजा और जुर्माने की सजा को फिलहाल स्थगित रखा है।

दु:खद संघ के एक उत्साही स्वयंसेवक की जीवन यात्रा समाप्त हो गयी

संघ ने वेद नंदा के निधन पर शोक व्यक्त किया

बीएनएम@नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अमेरिकी शिक्षाविद और हिन्दू स्वयंसेवक संघ के जोनल सरसंघचालक वेद प्रकाश नंदा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। संघ का कहना है कि अमेरिका में हिंदू स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय संघचालक के रूप में उनके योगदान को सदैव श्रद्धा के साथ याद किया जाएगा।

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की ओर से उनके निधन पर एक शोक संदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि वह संस्कृति और न्याय के मुद्दों पर समान रूप से

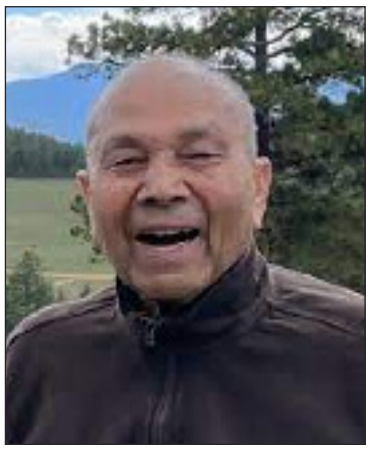

चिंतित थे। हम उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दुख की इस घड़ी में उनके परिवार को शक्ति प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।

संदेश में कहा गया कि हम प्रोफेसर वेद प्रकाश नंदा के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं, जिन्होंने डेनवर, यूएसए में अंतिम सांस ली। उनके निधन से संघ के एक उत्साही स्वयंसेवक और महान मानवीय गुणों से सम्पन्न व्यक्ति की जीवन यात्रा समाप्त हो गयी।

इसमें आगे कहा गया है कि प्रोफेसर नंदा, शुरुआती वर्षों में दिल्ली में एक छात्र कार्यकर्ता के रूप में और बाद में कानून के प्रोफेसर के रूप में दिल्ली में अपने छात्र सक्रियता काल से लेकर आज तक संयुक्त राज्य अमेरिका में पीढ़ियों से चले आ रहे सामाजिक जीवन में अपने छात्रों और समकालीनों के लिए एक प्रेरणा रहे हैं।

कानूनी अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय कानून, शिक्षा और सार्वजनिक नीतियों पर उनकी उल्लेखनीय स्पष्टता ने उन्हें महाद्वीपों के नीति निर्माताओं के लिए गुरु बना दिया - जिनमें से कुछ ने कई देशों में सर्वोच्च न्यायालयों और उच्च कार्यालयों का नेतृत्व किया। वह भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मभूषण सहित कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान और मान्यता के प्राप्तकर्ता थे। प्रोफेसर नंदा एबीवीपी के प्रारंभिक वर्षों में महासचिव और अध्यक्ष थे।

निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर संसद में किए गए संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर संसद में किए गए संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में इस संशोधन पर रोक लगाने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले कुछ वकीलों की ओर से दायर की गई याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार के नए कानून को चुनौती देते हुए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों में देश के चीफ जस्टिस को भी पैनल में शामिल करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि चुनाव में पारदर्शिता लाने के मद्देनजर मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाले पैनल में चीफ जस्टिस को भी शामिल किया जाना जरूरी है।

भाजपा 34 हजार गांवों में चलाएगी चलो गांव की ओर अभियान

सहरसा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहरसा और मधेपुरा की संयुक्त कार्यसमिति की राम वर्ष में प्रथम बैठक भाजपा जिला कार्यालय पटुआहा सहरसा में मंगलवार को हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह की अध्यक्षता में प्रदेश महामंत्री मिथलेश तिवारी,पूर्व मंत्री नीरज सिंह बबलू, क्षेत्रीय प्रभारी सरोज झा, मधेपुरा जिलाध्यक्ष दीपक कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन व वन्दे मातरम गायन के साथ बैठक की शुरुआत की गई।बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह सिद्धू और जिला मंत्री रंजीव रंजन साह ने की। बैठक में राममंदिर उद्घाटन सहित आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के बेहतरीन जीत के लिए चर्चा की गई । साथ ही भाजपा के हर छोटे बड़े नेता व कार्यकर्ता एक एक गांव में नरेंद्र मोदी के संदेश को पहुंचाएंगे जिसमें रात्रि चौपाल एवं रामधुनी भी करेगी।बैठक में प्रदेश महामंत्री मिथलेश तिवारी ने इस वर्ष को राम वर्ष मनाने का आग्रह किया।

केके पाठक के खिलाफ भूख हड़ताल 20 को

शिक्षकों की मांगों को लेकर बिहार शिक्षक संघ करेगा विरोध प्रदर्शन

बीएनएम@पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक की कार्यशैली के खिलाफ शिक्षकों ने आंदोलन करने का निर्णय लिया है। शिक्षकों ने एक दिवसीय भूख हड़ताल का फैसला लिया है। इसे लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर शिक्षकों ने विरोध जताया है। शिक्षकों की मांगों को लेकर बिहार शिक्षक संघ ने 20 जनवरी को आंदोलन का ऐलान किया है। पटना के गर्दनीबाग में सभी शिक्षक काली पट्टी बांधकर भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

शिक्षक संघ ने शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश को वापस लिये जाने की मांग की है। साथ ही ऐच्छिक स्थानांतरण की प्रक्रिया को आसान बनाने की मांग दोहराई है। इसके

अलावा शिक्षकों की रिटायरमेंट की सीमा 62 साल करने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने निर्देश दिया कि बिहार के सरकारी स्कूलों के हेडमास्टर अब पहले की तरह छुट्टी नहीं देंगे। अब एक साथ अधिक से अधिक स्कूल के 10 फीसदी शिक्षकों को ही छुट्टी मिल सकेगी। केके पाठक ने इस संबंध में सभी जिलों को आदेश जारी किया है।

केके पाठक ने जिलों को निर्देश दिया है कि शिक्षकों के छुट्टी लेने की मनोवृत्ति पर रोक लगाएं और एक साथ स्कूल में 10 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों की छुट्टी नहीं दी जाए, इसे सुनिश्चत करें। उन्होंने सभी डीएम और डीडीसी को आवश्यक पहल करने के लिए पत्र लिखा है।

पत्र में केके पाठक ने कहा है कि एक फरवरी से बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होनी हैं। ऐसे में आवश्यक है कि सभी शिक्षक बच्चों को ठीक से पढ़ाएं और शिक्षकों की उपस्थिति स्कूलों में बेहतर हो।

शिक्षकों पर सख्त अनुशासन बनाए रखने की आवश्यकता है। पाठक ने कहा है कि बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित करीब 50 शिक्षक योगदान देने के बाद भगोड़े हो गए हैं। ऐसे भगोड़े शिक्षकों को सस्पेंड करते हुए, उनपर विभागीय कार्रवाई शुरू करें। इन सबके अलावा उन्होंने और कई कड़े निर्देश दिये, जिसका पालन सभी जिलों के संबंधित अधिकारियों को करवाना है।

ट्रक-डंफर चालकों का दूसरे दिन भी हड़ताल, हाजीपुर-पटना गांधी सेतु को किया जाम

पटना।केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में हिट एंड रन कानून के विरोध में मंगलवार को दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। कानून वापस लेने की मांग कर रहे हैं ट्रक-डंफर चालकों ने उत्तर बिहार को दक्षिण बिहार से जोड़ने वाले महात्मा गांधी सेतु को हाजीपुर में जाम कर दिया है।

ट्रक और ड़फर चालकों ने इस कानून के विरोध में हाजीपुर-पटना एनएच रोड को जढ़ुआ पुलिस चेक पोस्ट के पास जाम कर दिया है। सड़क पर भारी संख्या में बस और ट्रक के चालक और संगीतकार मौजूद हैं। पटना से हाजीपुर- हाजीपुर से पटना जाने वाली सभी लोगों ने लोगों को रोक दिया है। जाम कर रहे पोस्टर में बताया गया है कि सरकार ने जो कानून बनाया है, वह बिल्कुल गलत है। उनका कहना है कि 10 हजार वाले ड्राइवर को 10 लाख रुपये की भरपाई कैसे करेंगे। ड्राइवर सरकार से कानून में संशोधन एवं बदलाव करने एवं कानून को वापस लेने

की मांग कर रहे हैं।

जाम के कारण लोगों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ा। पटना को उत्तर बिहार से जोड़ने के लिए गांधी सेतु पुल लोगों के लिए मुख्य साधन है और अब ड्राइवर के द्वारा जाम कर देने से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा आकस्मिक प्रतिबंध के लिए नया कानून 1 जनवरी 2024 से लागू किया गया है। जिसके विरोध में ट्रक और डंफर चालक तीन दिवसीय हड़ताल पर हैं। हड़ताल का बस ड्राइवर भी समर्थन कर रहे हैं।

भाजपा का डर दिखाकर आईएनडीआईए में मुंशी जैसा पद लेना चाहते हैं नीतीश: सुशील

बीएनएम@पटना

पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने मंगलवार को कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन में संयोजक का पद मुंशी जैसा पद है और इसे भी पाने के लिए नीतीश कुमार भाजपा के साथ जाने का डर दिखाकर सौदेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाये जाने की सारी सम्भावनाएं समाप्त होने पर अब वे संयोजक पद के लॉली पॉप से प्रतिष्ठा बचाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि संयोजक का काम बैठकों की सूचना देना और आंकड़े जुटाना भर होता है। नीतीश कुमार यदि संयोजक बन ही गए तो क्या वे पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और माकपा के बीच समझौता करा सकते हैं? क्या वे दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस और

केजरीवाल के बीच की दूरी पाट सकते हैं? उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा, बसपा और कांग्रेस को साझा प्रत्याशी के लिए सहमत करना और केरल में कांग्रेस और वाम मोर्चा के बीच तालमेल बनाना क्या नीतीश कुमार के संयोजक बनने से सम्भव हो जाएगा?

मोदी ने कहा कि दो राज्यों में सरकार चलाने वाली केजरीवाल की पार्टी और 200 विधायकों की पार्टी टीएमसी से 44 विधायकों वाले जदयू के नेता नीतीश कुमार का क्या मुकाबला है? साथ ही कहा कि क्षेत्रीय दल के किसी नेता को दूसरी क्षेत्रीय पार्टी या राष्ट्रीय पार्टी नहीं स्वीकार करेगी। फिर भी नीतीश कुमार भागते भूत की लंगोटी झपट लेना चाहते हैं। इस पूरी राजनीति में देशहित और लोकहित का भाव कहीं नहीं है।

बेगूसराय में पूरे परिवार की जलकर मौत के लिए बिहार सरकार भी दोषी : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। बेगूसराय के बछवाड़ा थाना क्षेत्र स्थित अरवा गांव में बीते रात पति एवं गर्भवती पत्नी सहित दो बच्चों की जलकर हुई मौत से जिला में कोहराम मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधि मौके पर जुटे हुए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने परिजनों से बात कर सांत्वना दिया है। उन्होंने कहा कि चार लाख रुपये प्रति व्यक्ति आपदा से केंद्र सरकार की ओर से दिया जाता है। मुख्यमंत्री राहत कोष से भी प्रति व्यक्ति को चार-चार लाख दिया जाए। मृतक परिवार कटाव पीड़ित है।

गिरिराज सिंह ने कहा है कि 60 के दशक में भूमि सरकार ने दिया, लेकिन पर्चा नहीं दिया गया। पर्चा मिला होता तो प्रधानमंत्री आवास भी मिल गया होता और यह घटना नहीं घटित होती। झोपड़ी रहने के कारण यह घटना हुई है। एक सप्ताह के अंदर जमीन का सभी को जमीन का पर्चा उपलब्ध कराया जाए। घटनास्थल पर पहुंचे भाजपा नेता-सह-सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर ने दुख एवं प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अरवा के जलकर मरे शहीद चीख-चीखकर सवाल पूछ रहे हैं समाजिक न्याय का दावा करने वाले बिहार की सरकार से? अरवा में चार लोगों की जलकर दुखद मौत एक शहादत है।

यह उन लोगों की आवाज बनकर सामने आया है जो बछवाड़ा से लेकर साहेबपुर कमाल तक गंगा के कटाव में विस्थापित हैं और उन्हें 50 वर्षों से बिहार सरकार ने पर्चा नहीं दिया। यह सवाल बिहार के सामाजिक न्याय की सरकार से भी है जो लालू यादव और नीतीश कुमार के रूप में पिछले 40 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

मरने वाला परिवार रामकुमार पासवान का वह दलित परिवार है जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा है। गिरिराज सिंह को घटना के बारे में जानकारी दी तथा पीड़ित परिवार से उनकी बात कराई। डीएम से टेलीफोन पर बात कर पीड़ित परिवार को प्रधानमंत्री आपदा राहत से चार लाख के सिवा मुख्यमंत्री सहायता कोष से चार-चार लाख रुपये देने की मांग की।

इधर, घटनास्थल पर बछवाड़ा विधायक सुरेन्द्र मेहता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, बछवाड़ा के पूर्व विधायक और भाकपा के जिला मंत्री अवधेश राय एवं राजद जिलाध्यक्ष मोहित यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुटे हुए हैं। तेघड़ा एसडीओ एवं डीएसपी सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचकर अग्रेतर कार्रवाई कर रहे हैं।

नीरज के परिजन को मिला 16 लाख का चेक

बेगूसराय। बेगूसराय जिले के बछवाड़ा थाना क्षेत्र स्थित अरवा में बीते रात घर में आग लगने से पत्नी एवं बच्चों सहित मृत नीरज के परिजनों को सहायता देने के लिए प्रशासन एवं कॉरपोरेट काफी तत्परता से आगे आया है। मृतक नीरज पासवान, उसकी पत्नी कविता देवी, पुत्र लव एवं कुश के अंतिम संस्कार कर घर लौटते ही मंगलवार की देर शाम बछवाड़ा के अंचलाधिकारी दीपक कुमार ने मृतक के पिता को 16 लाख का चेक सौंप दिया है। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक निर्णय के बाद पोस्टमार्टम के बदले पंचनामा करवरकर शव का अंतिम संस्कार कराया गया। कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत भी तीन-तीन हजार उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही नौ अग्निकांड पीड़ति परिवार को 11-11 हजार रुपये का चेक दिया गया है। चेक भुगतान की प्रक्रिया में विलंब नहीं हो इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक के बछवाड़ा शाखा में मृतक के पिता का खाता खोलने की कागजी प्रक्रिया घाट से लौटने पर कर पासबुक सौंप दिया गया है।

जीविका दीदियां मुहैया करा रही है ताज़ा और पौष्टिक भोजन, मरीजों को मिला संजीवनी

बेतिया। जीविका दीदियों ने राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में मरीज़ों को ताज़ा, स्वच्छ एवं पौष्टिक आहार बना कर अस्पताल में भर्ती मरीजों तक पहुंचाने की कमान सम्भाल ली है। सुबह सात बजे से ही कुल 18 प्रशिक्षित जीविका दीदी दो शिफ्ट में मरीज़ों को सेवा दे रही हैं.

₹जीविका दीदी की रसोई₹ बिजनेस इकाई के तकनीकी सलाहकार बजरंग लाल ने बताया कि सुबह के समय अस्पताल में भर्ती मरीजों को आहार के रूप में दूध, अंडा, फल और ब्रेड मुहैय्या कराया जा रहा है, जबकि दोपहर में चावल, दाल, हरी सब्ज़ी और दही, और रात में रोटी दाल और सब्ज़ी

दिया जा रहा है. साथ ही साथ मरीजों के परिजन,अस्पताल के डॉक्टर स्टाफ एवं नर्स को उचित मूल्य पर भोजन की उपलब्धता की जा रही है.

जीविका के गैर कृषि प्रबंधक सोहेल राज दीदी की रसोई की हॉस्पिटैलिटी विंग की बारीकी से मोनिटरिंग कर रहे हैं ताकि आगंतुक नए नए व्यंजनों का भी लुत्फ दीदी की रसोई से उठा सकें.

जिला परियोजना प्रबंधक ने जानकरी दी कि जीविका की सभी मीटिंग और कार्यशाला में भी रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था दीदी की रसोई करेगी. साथ ही साथ अगले चरण में दूसरे सरकारी और गैर सरकारी विभागों से समन्वय स्थापित कर भोजन उपलब्ध कराया जाएगा ताकि दीदी की रसोई से जीविका दीदियों को अधिक से अधिक मुनाफा हो सके।

हिट एंड रन कानून का दूसरे दिन भी जारी रहा विरोध

मोतिहारी। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर समेत विभिन्न प्रखंडो में हिट -एंड-रन कानून का दूसरे दिन भी विरोध जारी रहा। सिघिंया गुमटी बरियारपुर बाइपास व छतौनी समेत विभिन्न स्थानों पर ट्रक और बस ड्राइवरों ने अपने अपने वाहन से चौक चौराहों को जाम कर दिया और सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी करते हुए काला कानून वापस लेने की मांग करते दिखे। इसकी वजह से सड़कों पर वीरानी छाई रही,वही यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यहां तक दिन के तीन बजे तक कोई छोटा वाहन भी सड़क पर नदारद रहा। कानून का विरोध कर रहे ड्राइवरों ने कहा कि केंद्र की सरकार ने बिना किसी सहमति के हम सब के विरुद्ध यह काला कानून लाया है। जो न्यायसंगत नहीं हैं। उन लोगो ने कहा कि हम लोग दस से 15 हजार महीना पर काम करते है। अगर गलती से किसी ड्राइवर से दुर्घटना होती है,तो कैसे हमलोग 10 लाख की राशि जुर्माना देंगे।

पत्नी और उसके दो आशिक की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी

जिले में सुगौली थाना क्षेत्र के सुगांव निवासी तीन हत्याओं में वांटेड अखिलेश भगत को पुलिस ने सुगौली के कोबेया से गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में एएसपी सदर श्रीराज ने मंगलवर को बताया कि उसने 24 अक्टूबर 23 को अपने पत्नी स्मिता देवी उर्फ संजू के आशिक रितेश साह की हत्या कर उसके शव को केसरिया थाना के गोपालपुर गांव के पास जमीन के अंदर गाड़ दिया।

पुलिस ने बाद में खुदाई कराकर शव के अवशेष को बरामद कर उसे एफएसएल में भेजा। इसके अलावे छठ के खरना के रोज 17 - 18 नवम्बर 23 की रात उसने नेपाल में पत्नी स्मिता व उसके एक और दूसरे आशिक ऋषभ कुमार की हत्या नेपाल के चितवन में कर दी। ऋषभ सुगौली के फुलवरिया गांव का निवासी था , जो नेपाल में अखिलेश के साथ विद्युत वायरिंग की ठेकेदारी का काम करता था।

छठ होने की वजह से आसपास के कई लोग गांव चले गए इस बीच उसने पत्नी स्मिता व ऋषभ की हत्या कर डाली। घटना में उसके शामिल होने के सबूत भी पुलिस को मिले हैं, जिसके आधार पर उसे सजा दिलाई जाएगी। इन घटनाओं में उसके किसी सहयोगी के भी साथ होने की बात कही जा रही है जिसको लेकर पुलिस अनुसन्धान में जुटी है। पुलिस टीम में एएसपी के अलावे सुगौली थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह , एसआई अभिनव राज व सशस्त्र बल शामिल थे।एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को पुरस्कृत करने की अनुशंसा की है।

सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम में विभाग करें सहयोग : डीएम

जिला समन्वयक समिति की बैठक में दिये कई निर्देश

बीएनएम@मोतिहारी

जिला समाहरणालय स्थित राजेंद्र सभागार भवन में मंगलवार को डीएम सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, एमडीए प्रोग्राम 2024 के आलोक में जिला समन्वयक समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गईं।

इस बैठक में डीएम ने उपस्थित समाजसेवी संस्थाओं,आईसीडीएस विभाग जीविका,पंचायती राज, शिक्षा विभाग, अंजुमन इस्लामिया व अन्य सभी विभागों के अधिकारियों को चार जनवरी से शुरु हो रहे नाइट ब्लड सर्वे के साथ 10 फरवरी से शुरू होने वाले सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम में सहयोग करने का निर्देश दिया है।

डीएम ने कहा कि फाइलेरिया (हाथी पांव) रोग से बचाव को निर्धारित आयु वर्ग के लोगों को जागरूक करते हुए सर्वजन दवा का सेवन करना जरूरी है।

वहीं सिविल सर्जन डॉ अंजनी कुमार ने कहा कि 2 वर्ष से ऊपर सभी स्वस्थ एवं योग्य व्यक्ति को डीइसी एवं एल्बेंडाजोल की दवा आशा,आशा फैसिलिटेटर एवं वॉलिंटियर्स के द्वारा खिलाया जाएगा ।

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की जिले 23 प्रखंडों में नाइट ब्लड सर्वे कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिसमें स्थानीय क्षेत्र के आशा, जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मुखिया, सरपंच व जनप्रतिनिधि लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता हेतु सहयोग करेंगे।

डॉ शर्मा ने पीपीटी के माध्यम से बताया कि फाइलेरिया के परजीवी की खोज हेतु रात्रि 8:30 से 12 बजे तक रैंडम व सेंटिनल साइटों पर नाइट ब्लड सर्वे कार्यक्रम संचालित होगा।

उसके बाद पॉजिटिव लोगों को 12 दिनों तक दवा खिलाई जाएगी।साथ ही हाइड्रोसिल फाइलेरिया के मरीजों की जांच व ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जाएगी,साथ ही हाथी पांव के मरीजों के लिए व्यायाम,साफ -सफाई के तौर तरीके भी बताए जाएंगे।

बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक,जिला लेखा प्रबंधक, जिला स्वास्थ्य समिति पूर्वी चम्पारण, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक, जिला योजना समन्यवक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जीविका, डब्लुएचओ।जोनल कॉडिनेटर, एनटीडी, एसएमओडब्नुएचओ, एसएमसी यूनीसेफ, जिला प्रतिनिधि, पिरामल, पीसीआई,सीफार भीडीसीओ, सचिव, अजुमन इस्लामियाव अन्य उपस्थित थें।

विरोध | रामगढ़वा प्रमुख के विरुद्ध 19 पंसस ने उठाया कदम

बीडीओ को दिया अविश्वास प्रस्ताव का पत्र

बीएनएम@रामगढ़वा

प्रखंड प्रमुख कांता देवी के विरुद्ध 24 में से 19 पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ सह कार्यपालक अधिकारी मोहम्मद सज्जाद को एक हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर अविश्वास प्रस्ताव से सम्बंधित एक पत्र दिया है और विशेष बैठक बुलाने की मांग की है ।इस बाबत पंचायत समिति सदस्यों रीता देवी विनोद कुमार, अरविंद पांडेय अंजय कुमार, टेंगर ठाकुर, अवधेश चौरसिया, मोहम्मद आजाद, लालबाबू यादव, गीता देवी, रिजवाना प्रवीण, नन्हे राज कुमार, उषा देवी, राजकुमारी सिंह,अनिता देवी, शारदा देवी, रूबी देवी, कुसुम देवी हसीना खातून, प्रियंका देवी ने बीडीओ मोहम्मद सज्जाद को दिए अविश्वास प्रस्ताव पत्र में बताया है कि वर्तमान प्रखंड प्रमुख बीते दो वर्ष में मात्र चार पंचायत समिति

की बैठक की ,जबकि नियमानुकूल दो माह में एक बार बैठक होना चाहिये बैठक नही होने से प्रखंड क्षेत्र में विकास कार्य बाधित है। प्रमुख द्वारा केवल व्यक्तिगत लाभ लेकर विकास कार्य को बाधित किया है। प्रमुख द्वारा षष्ठम वित्त व पन्द्रहवी वित्त आयोग की राशि बिना सदस्यों की सहमति के बगैर सभी क्षेत्रों को दरकिनार कर केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र में कर रही है, जो लोकतांत्रिक तरीके से अवैध है और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का हनन हो रहा है। प्रमुख द्वारा पंचायत समिति सदस्यों का अपमानित करने का आरोप लगाया है। वही बीडीओ मोहम्मद सज्जाद ने अविश्वास प्रस्ताव से सम्बंधित पत्र मिलने की पुष्टि की है।

युवा राजद कार्यकर्ताओं ने किया चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

मोतिहारी। युवा राजद प्रखंड हरसिद्धि के द्वारा चौपाल लगाकर केंद्र सरकार की बढ़ती महंगाई ,बेरोजगारी,नई शिक्षा नीति, देशभर में जातीय जनगणना की मांग युवा राजद प्रखण्ड अध्यक्ष सुजीत कुमार यादव के नेतृत्व में हुआ मुख्य अतिथि मुकेश यादव जिला प्रभारी, मोहम्मद असलम अध्यक्ष युवा राजद पूर्वी चंपारण , पूर्व राजद प्रत्याशी नागेन्द्र राम, प्रधान महासचिव प्रवेज आलम,सुरेन्द्र यादव, मुन्ना सिंह, टुन्ना पाल, अरूण सिंह, मोहनलाल सहनी, रामाकांत शर्मा, कलाम मियां, विनय सहनी रोहित कुशवाहा, निशांत गुप्ता, नूर आलम, भोला पाल, तुलसी यादव, टुनटुन सिंह पंकज गुप्ता, सफदर आलम, मनीष कुमार, नवाब साहब समसुद्दीन मियां, ग्यासुद्दीन मियां, सहित तमाम राजद नेता उपस्थित रहे।

बिजली कनेक्शन काटने के विरोध में सड़क जाम

सिकरहना। बिजली का कनेक्शन काटे जाने से नाराज ढाका थानांतर्गत खैरवा गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार की संध्या करीब दो घंटे तक सड़क जाम किया। करीब आठ बजे देर संध्या जाम समाप्त हुआ। ग्रामीणों का कहना था कि स्मार्ट मीटर लगाने वाले कर्मी गांव में आये हुए थे और बिना किसी पूर्व सूचना के स्मार्ट मीटर लगाने की बात कह रहे थे, जिस पर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

पताही। प्रखंड के जिहुली पंचायत स्थित स्वर्गीय कृष्ण मुरारी सिंह के अगामी 8 जनवरी को होने वाली पुण्यतिथि पर परिवार में सुख शांति अमन चैन को लेकर मंगलवार को कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा मे शामिल श्रद्धालुओं ने देवपुर बेलवा संगम घाट से जल लेकर कथा स्थल पर पहुंचे। इससे पूर्व कथा स्थल पर हवन पूजन किया गया। कथा का शुभारंभ करते हुए कथावाचक आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा, ऐसी कथा है, जो जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दर्शाती है।

इसलिए जहां भी भागवत कथा होती है, इसे सुनने मात्र से वहां का संपूर्ण क्षेत्र दुष्ट प्रवृत्तियों से खत्म होकर सकारात्मक उर्जा से सशक्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब इसे हम अपने जीवन और व्यवहार में धारण करें। श्रीमद्भागवत कथा के श्रावण से जन्म जन्मांतर के विकार नष्ट होकर प्राणी मात्र का लौकिक व आध्यात्मिक विकास होता है। इस अवसर पर आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री महाराज, अभिनंदन तिवारी, गोलू तिवारी, मधुरेंद्र तिवारी, सत्येंद्र तिवारी, शंभू तिवारी, आशीष तिवारी, आयोजक्कर्ता चंदन कुमार सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, मणी भूषण सिंह, अमित सिंह, लाल बाबू सिंह पहलवान, शंकर तिवारी, हरिशंकर सिंह उर्फ नागा शाहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण कलश यात्रा में उपस्थित थे।

अयोध्या जानेवाले भार का रक्सौल में होगा स्वागत

रक्सौल। अयोध्या में भगवान श्रीराम के 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर नेपाल में भारी उत्साह है। इस खास मौके पर जनकपुर से अयोध्या भेंट(सनेश) ले जाने की तैयारी है। इसके तहत 1100 भार में नेपाल के जनकपुर से आगामी चार जनवरी को अयोध्या के लिए टोली रवाना होगी। टोली में 500 श्रद्धालु ,साधु संत शामिल होंगे।

नेपाल के हुलाकी राज मार्ग से जलेश्वर, मंलगवा, धन कॉल, सिमरौनगढ़, गढ़ी माई मंदिर होते हुए वीरगंज में रात्रि विश्राम के बाद पांच जनवरी को सुबह आठ बजे टोली रक्सौल पहुंचेगी।जहां से जत्था बेतिया, गोपालगंज, गोरखपुर होते हुए अयोध्या धाम जायेगी। विदाई के इस कार्यक्रम में मधेश प्रदेश के मुख्य मंत्री सरोज यादव,वीरगंज के मेयर राजेश मान सिंह,नेपाल भारत सहयोग मंच के केंद्रीय अध्यक्ष अशोक वैध समेत गणमान्य उपस्थित रहेंगे। रक्सौल में श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाएगा। इसको ले कर को लेकर जनकपुर स्थित जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंथ राम रौशन दास वैष्णव खुद तैयारी के सिलसिले में वीरगंज पहुंचे व इस आयोजन को भव्य और सफल बनाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में नव निर्मित भव्य राम मंदिर में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर जनकपुर से अयोध्या भार भेजने की तैयारी भव्य रूप से की जा रही है।

यह यात्रा वीरगंज, रक्सौल से होते हुए अयोध्या जायेगी। उन्होंने बताया कि नेपाल का जनकपुर माता सीता का मायका माना जाता है। मिथिला की एक परंपरा है कि जब भी बेटी का नया घर बनता या बसता है,तो, उस समय पीहर पक्ष द्वारा बेटी को आभूषण,वस्त्र,एक वर्ष की खाद्य सामग्री भेजी जाती है।

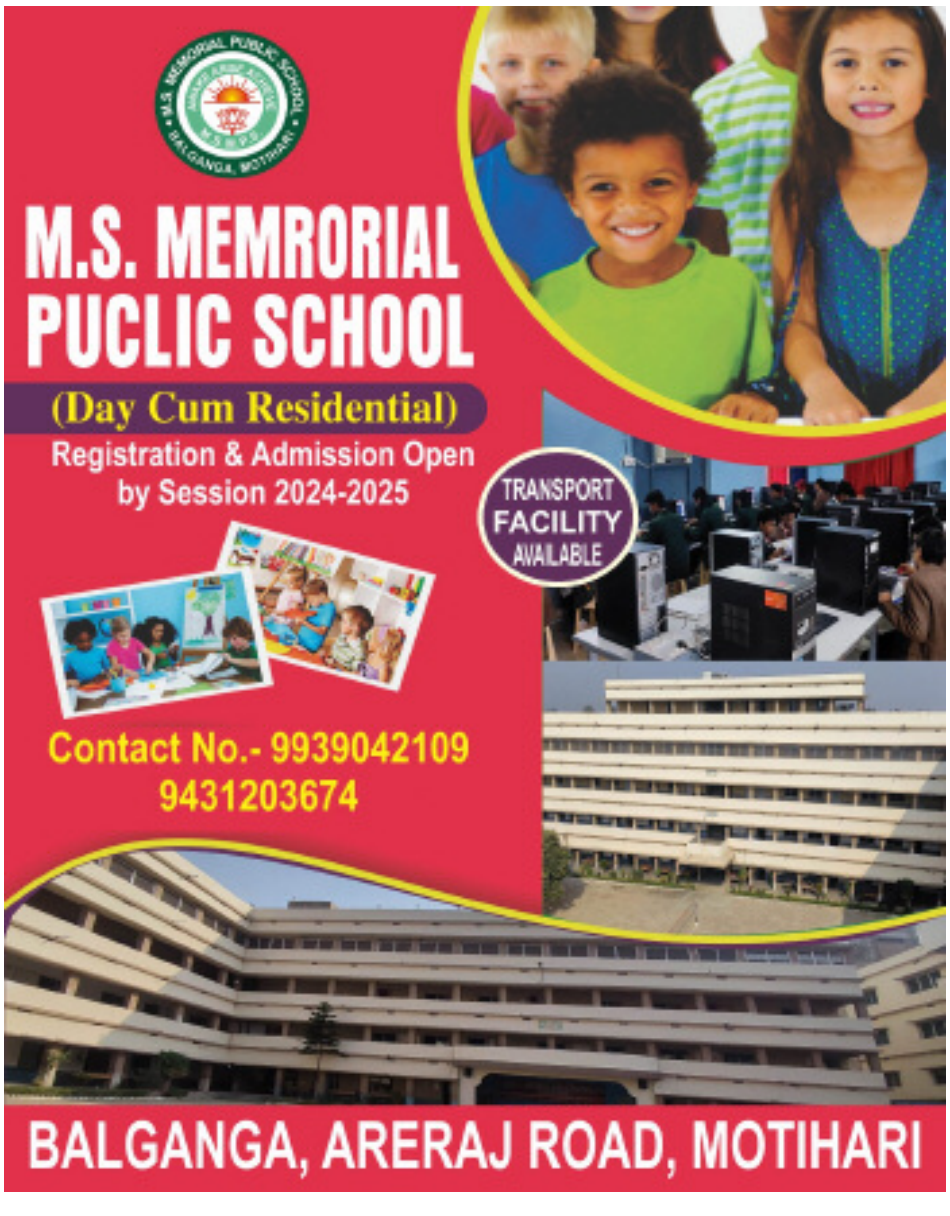

BORDER NEWSMIRROR

Wednesday 03 January 2024

Editorial

राष्ट्रवाद पर सदैव अटल

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्र ने पहली बार सुशासन को देशभर में क्रियान्वित होते देखा। अटल जी के प्रधानमंत्रितत्व कार्यकाल में देश ने पहली बार सुशासन को चरितार्थ होते देखा। जहां एक ओर उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना जैसे विकासशील कार्य किए, वहीं दूसरी ओर पोखरण परीक्षण एवं कारगिल विजय से मजबूत भारत की नींव रखी। अटल बिहारी वाजपेयी अजातशत्रु थे। इसका कारण यह था कि उन्होंने सदैव सिद्धान्तों को महत्व दिया। किसी के प्रति उनका व्यक्तिगत रागद्वेष नहीं था। विपक्ष और सत्ता धर्म दोनों का उन्होंने बखूबी निर्वाह किया। वह कांग्रेस की जम कर आलोचना करते थे, लेकिन जब पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया तो वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के साथ खड़े हुए। आज के नेताओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। अटल जी के योगदान को देश कभी नहीं भुला पाएगा। भारत को उन्होंने परमाणु शक्ति बनाया। एक नेता के रूप में, सांसद के रूप में, मंत्री के रूप में और प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी हमेशा सभी के लिए आदर्श रहे हैं। भारत के विकास एवं लोगों के लिए वाजपेयी का अतुलनीय योगदान हमेशा याद किया जाएगा और देश के लिए उनकी दूरदृष्टि आगामी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विपक्ष और सत्ता धर्म दोनों का उन्होंने बखूबी निर्वाह किया। वर्तमान में केंद्र और प्रदेशों की भाजपा सरकारें सुशासन के मार्ग का अनुसरण कर रहीं हैं। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का देश बन गया है। तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रगति पर है। इस अवधि में सांस्कृतिक राष्ट्रभाव का जागरण हो रहा है। सदियों से चल रही समस्याओं का समाधान हो रहा है। दशकों से लंबित योजनाएं पूरी हुई हैं। सामरिक क्षेत्र में भारत अब निर्यातक बन गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का महत्व और प्रभाव बहुत बढ़ा है। जी-20 की अध्यक्षता में भारत ने नया अध्याय जोड़ा है। अटल बिहारी वाजपेयी ऐसा ही शक्तिशाली भारत बनाना चाहते थे। भारत को उन्होंने परमाणु शक्ति बनाया।

गण मन के महानायक हैं वाजपेयी

हृदयनारायण दीक्षित

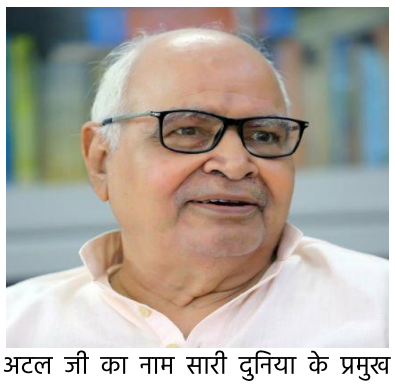

अटल जी का नाम सारी दुनिया के प्रमुख नेताओं में वरिष्ठ है। वे भारतीय जन गण मन के महानायक हैं। उनकी स्मृति बार-बार आती है। उनका पूरा व्यक्तित्व एक छंद और भावप्रवण काव्य था। विधाता ने उन्हें पूरे जतन से गढ़ा था। प्रकृति ने अपना सारा मधुरस उड़ेल दिया था उनके व्यक्तित्व में। वे सरस थे। तरल थे। सरल थे। विरल थे और विश्वमोहन। आज (रविवार) उनकी जन्म तिथि की पूर्व संध्या है। राष्ट्र उनका स्मरण कर रहा है। हमारे जैसे कार्यकर्ता उनकी छाया में पले। स्वाभाविक है उनका स्मरण। वैसे स्मरण उनका होता है, जिनका विस्मरण हो जाता है। अटल जी की स्मृति प्रतिपल जीवंत रहती है। वे भारतीय सार्वजनिक जीवन के शिखर शलाका पुरुष थे। वे भारतीय लोकतंत्र की दिव्यता हैं और राजनैतिक जीवन के मर्यादा पुरुष। इतिहास ने उन्हें पूरी आत्मीयता के साथ अपने अन्तःस्थल में स्थापित किया है। इतिहास निर्मम और निष्पक्ष होता है। वह अपने पराए में भेद नहीं करता। वह अनायास ही किसी को महानायक नहीं बनाता। लोकमत भी इतिहास की तरह निर्मम होता है। इसलिए विश्व इतिहास के प्रतिष्ठित महानायक भी संपूर्ण लोकमन की प्रशंसा नहीं पा सके। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी अद्वितीय हैं। उन्होंने राष्ट्र के संपूर्ण जनगणमन का प्यार पाया। वे परिपूर्ण राष्ट्रवादी थे। वैचारिक प्रतिबद्धता में अटल थे और राष्ट्रवाद का संदेश लेकर सतत् गतिशील विहारी थे। उनके विरोधी भी उनके प्रशंसक थे। वे भारतीय राजनीति के अद्वितीय महानायक थे। तमाम असंभवों का संगम थे। वे सरस भावप्रवण कवि हृदय थे और कवि थे। राजनीति के भावविहीन क्षेत्र में भी सबके प्रिय अग्रणी राजनेता। इस सदी के महानतम नेता। वे सबके प्रति आत्मीय थे। विपरीत ध्रुवों से भी समन्वय की साधना बेजोड़ थी। वे सर्वप्रिय धीरोदात्त महानायक थे। राजनीति में विपरीत ध्रुवों का समन्वय आसान नहीं होता। 1975 में आपत्काल था। देश कारागार में बदल गया था। संविधान कुचल दिया गया था। हजारों राजनैतिक सामाजिक कार्यकर्ता जेल भेजे गए थे। अटल जी ने गैरकांग्रेसी दलों से समन्वय बनाया। तमाम गैर कांग्रेसी दल साझा मंच में आए। अटल जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे। उन्होंने मिलकर चुनाव लड़ने के लिए गैरकांग्रेसी दलों को सहमत किया। 1977 के आम चुनाव में जनता पार्टी जीती। सरकार भी बनी। वे विदेश मंत्री बने। दिल्ली में भारतीय जनसंघ का अधिवेशन हुआ। अटल जी ने जनसंघ के विसर्जन का प्रस्ताव रखा। वे पं. दीनदयाल उपाध्याय का नाम लेकर रोने लगे। जनसंघ की विकास यात्रा में उपाध्याय, अटल जी आदि अनेक नेताओं कार्यकर्ताओं ने अपना श्रम तप लगाया था। जनसंघ का विसर्जन भावुक क्षण था। इन पंक्तियों का लेखक भी इस भावुक प्रवाह का हिस्सा था। जनसंघ का विसर्जन हुआ। अब सब जनता पार्टी के हिस्से थे। कुछ समय बाद जनता पार्टी में कलह हुई। जनसंघ घटक के सदस्यों पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नाम पर दोहरी सदस्यता का आरोप लगा। अटल जी ने उत्तर प्रदेश की एक जनसभा में चुटकी ली "उन्होंने पहले प्यार किया, सम्बंध बनाये। सम्बन्धों का लाभ उठाया और अब हमसे हमारा गोत्र वंश पूछते हैं।" बात नहीं बनी। जनसंघ घटक अलग हो गया। अटल के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी बनी। अटल जी के नेतृत्व का सम्मोहन बढ़ता गया। अटल जैसी वक्तव्य कला दुर्लभ। शब्द उनके आज्ञापालक थे। उनका शब्द चयन और प्रयोग अद्भुत था। मनमोहन प्रभाव था उनके भाषण में। वे नेता प्रतिपक्ष बने। प्रधानमंत्री बने। विपक्षी नेता के रूप में उन्होंने विषय प्रतिपादन का नया रिकार्ड बनाया।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

Today's **Opinion**

चीटिंग छोटी हो बड़ी, जाएं कंज्यूमर कोर्ट

योगेश कुमार गोयल

देश में प्रतिवर्ष 24 दिसंबर को उपभोक्ता हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीदारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीदारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्व अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरुआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसंबर, 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसंबर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

शाम के समय बनाएं टेस्टी आलू ब्रेड चाट, फिर शांत हो जाएगी चटपटा खाने की क्रेविंग

शाम होते-होते कुछ अच्छा और चटपटा खाने का मन होने लगता है। ऐसे में चाट एक ऐसा ऑप्शन है जो क्रेविंग्स को शांत कर सकता है। आप भेलपुरी खाते-खाते बोर हो गए हैं तो कुछ नया ट्राई कर सकते हैं। शाम के नाश्ते में चाट अच्छी लगती है लेकिन लोग घर पर चाट बनाने से बचते हैं।

चाट को अधिक समय और मेहनत वाली रेसिपी समझी जाती है लेकिन हम चाट बनाने की ऐसी आसान और झटपट वाली रेसिपी बता रहे हैं, जिससे आप घर पर ही स्वादिष्ट और हेल्दी चाट का लुत्फ उठा सकते हैं। इस चटपटी चाट को सिर्फ ब्रेड और आलू से बनाया जा सकता है। जानें इसकी आसान रेसिपी -

आलू-ब्रेड चाट बनाने की आवश्यक सामग्री

घी या रिफाइंड, ब्रेड, उबले आलू, बारीक कटा टमाटर, धनिया और प्याज, भुना जीरा पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, फेंटा हुआ दही, हरी चटनी, इमली की चटनी, काला नमक, भुजिया- पापड़ी।

आलू-ब्रेड चाट बनाने की विधि

- सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करके उसमें ब्रेड को गोल्डन व क्रिस्पी होने तक सेक लें।
- अब एक अलग बाउल में उबले आलू को छीलकर मैश करें और उसमें कटा टमाटर, प्याज और धनिया मिला लें।
- इस मिश्रण में भुना जीरा पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब क्रिस्पी ब्रेड के ऊपर आलू की स्टफिंग को रखें।
- इसके ऊपर से फेंटा हुआ दही, हरी चटनी और इमली की चटनी डालें। अब काला नमक, भुजिया, पापड़ी या कोई नमकीन ऊपर से डाल दें। अब इसे अनारदाना और नींबू के साथ गार्निश कर लुत्फ उठाएं।

पराठे को ज्यादा टेस्टी और हेल्दी बनाने के लिए फॉलो करें ये कुकिंग टिप्स

पराठे वैसे तो सर्दियों में ज्यादा अच्छे लगते हैं लेकिन पराठ लवर्स गर्मियों में भी पराठा खाना नहीं भूलते हैं। हालांकि, सप्ताह में एक-दो बार पराठा खाना फायदेमंद है लेकिन रोजाना मील में पराठा खाने से आपके डाइजेशन पर इसका असर पड़ सकता है।

खासकर जिन लोगों का पेट ज्यादातर टाइम पर खराब रहता है, उन्हें रोजाना पराठे नहीं खाने चाहिए लेकिन अगर आप फिर भी पराठे को अपने ब्रेकफास्ट की थाली से अलग नहीं करना चाहते हैं, तो आप पराठा बनाते वक्त ऐसी हेल्दी टिप्स फॉलो कर सकते हैं जिनसे आपका पराठा न सिर्फ हेल्दी बनेगा बल्कि काफी स्वादिष्ट भी बनेगा।

ऑयल

पराठों को ज्यादा हेल्दी बनाने लिए इसमें इस्तेमाल होने वाले तेल पर भी ध्यान दें। परांठे बनाते समय घी और रिफाइंड तेल के प्रयोग से बचें, और इसके बजाय ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें।

आप चम्मच से तेल न डालें बल्कि इसके लिए ऑयलिंग ब्रश का इस्तेमाल करें क्योंकि आप इसमें देसी घी डालकर बाद में खा सकते हैं।

स्टफिंग

आलू के पराठे तो सभी को पसंद होते हैं लेकिन अगर आप कार्ब वाला पराठा नहीं खाना चाहते हैं, तो आप फूलगोभी, प्याज, मूली और यहां तक कि प्रोटीन युक्त पनीर फिलिंग जैसे हेल्दी ऑप्शन चुन सकते हैं। आप आटा गूंदते समय कुछ मेथी के पत्ते या पालक की प्यूरी मिला सकते हैं। आप रात की बची हुई दाल भी इसमें डाल सकते हैं।

आटा गूंदना

नरम पराठे बनाने के लिए एक किचन हैक है कि परांठे का आटा गूंदते समय इसमें थोड़ा गर्म दूध मिला दें। इससे आटा नरम हो जाएगा और पराठे को थोड़ा अच्छा मीठा स्वाद भी मिलेगा। इसमें आप आटा गूंदते समय आप ताजी मलाई भी डाल सकते हैं।

क्रिस्पी पराठा

आटा गूंदते समय गुनगुने पानी का प्रयोग करें और इसमें हमेशा एक चम्मच घी डालें। आटा गूंदने के बाद, इसे एक प्याले में रखें, थोडा़ सा तेल लगाकर इसे मलमल के कपड़े से ढक कर रख दें।

मीडियम आंच रखें

पराठे को तवे पर रखने से पहले ध्यान दें कि तवा गरम हो. इसे ज्यादा ठंडे या गर्म तवे पर रखने से पराठा सख्त हो जाएगा। साथ ही पराठे को पकाते समय आंच को भी मीडियम ही रखें। बहुत तेज आंच परपराठा बाहर से जल जाएगा और अंदर से कच्चा रह जाएगा।

सॉफ्ट फूली हुई रोटियां बनाने के लिए अपनाएं ये किचन टिप्स, क्या है आटा स्टोर करने का सही तरीका

महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी किचन में रोटी बनाने के लिए आटा गूंथते समय होती है। ऐसे में अगर आटा अच्छी तरह न गूंथा हुआ हो तो उसकी रोटियां भी अच्छी नहीं बन पाती है।

महिलाएं अक्सर यह शिकायत करती हैं कि आटा गूंथने पर उनसे या तो आटा जरूरत से ज्यादा सख्त हो जाता है या फिर गीला हो जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो आप ये किचन हैक्स अपनाकर फूली हुई सॉफ्ट गोल रोटियां बड़े आराम से बना सकती हैं।

सॉफ्ट रोटी बनाने के लिए अपनाएं ये किचन टिप्स-

आटा गूंथने के लिए करें गुनगुने पानी का इस्तेमाल-

रोटी बनाने के लिए जब भी आटा गूंथें तो पानी को थोड़ा गुनगुना कर लें। इस टिप की मदद से रोटियां सॉफ्ट बनना शुरू हो जाएंगी। आप चाहें तो आटे में थोड़ा सा मोयन यानी आधा चम्मच तेल भी डाल सकती हैं।

आटा गूंथने के तुरंत बाद ना बनाएं रोटी -

रोटी के लिए आटा गूंथ लिया है तो कम से कम 10 मिनट के लिए उसे ढक कर रख दें। आटे को थोड़ा खमीर देने से भी रोटियां बहुत अच्छी बनती हैं।

आटा स्टोर करते समय रखें इस बात का ध्यान-

आटा स्टोर करते समय सबसे पहले तो कोशिश करें कि आपका आटा बहुत ज्यादा देर तक रखा न रहे। 24 घंटे पुराने आटे का इस्तेमाल बिलकुल भी न करें। इसके अलावा आटा स्टोर करते समय ध्यान रखें कि तेल या घी उसमें लगा दें।

घी या तेल लगाने के बाद आटे को एल्युमिनियम फॉयल में लपेट कर किसी एयर टाइट कंटेनर में ही फ्रिज में रखें। ऐसा करने से आटा ज्यादा लंबे समय तक फ्रेश रह सकेगा।

है बेदाग स्किन की चाहत? तो आपकी परेशानी का हल है यह एक जूस

साफ और बेदाग त्वचा कौन नहीं चाहता, लेकिन इसे पाने का सबसे अच्छा ज़रिया नैचुरल उपाय है। त्वचा को हेल्दी बनाने के लिए ज़रूरी है कि हम खानपान पर ध्यान दें। घर पर भी आप अपनी त्वचा को कई तरीकों से हेल्दी बना सकती हैं। इसके लिए सही खाद्य पदार्थों का चयन अहम है। अगर आप भी लंबे समय से बेदाग त्वचा की ख्वाहिश रख रही हैं, तो हम आपको बता रहे हैं ऐसे जूस के बारे में जो आपका काम आसान कर सकता है।

घर पर बने ताज़ा जूस से न सिर्फ आपके शरीर से टॉक्सिन्स निकल जाएंगे, बल्कि आपकी सम्पूर्ण सेहत को भी फायदा पहुंचेगा। जिससे आप उम्र भर स्वस्थ त्वचा पा सकती है। हम बता रहे हैं ऐसी जादुई ड्रिंक के बारे में जो ज़रूरी विटामिन्स और पोषक तत्वों से भरी होती है और जो स्किन को बेदाग बनाने का भी काम करती है। इस जूस के लिए आपको चाहिए होगा खीरा, नींबू, अदरक और केल।

खीरा एक नैचुरल हाइड्रेटिंग सब्ज़ी है, जिसमें पानी की मात्रा काफी ज़्यादा होती है। यह विटामिन-के और बीटा-केरोटीन से भी भरा होता है, जो शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल्स से निपटते हैं। नींबू विटामिन-सी और फाइबर से भरा होता है, जो त्वचा से जुड़ी कई मुश्किलों को दूर करने की शक्ति रखता है। अदरक में भी एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया को मार गिराते हैं। इन सभी चीज़ों का अगर मिलाकर सवन किया जाए, तो इससे आपको साफ और चमकती त्वचा मिल सकती है। केल एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर, कैल्शियम और विटामिन्स से भरा होता है। एंटीइंफ्लेमेटरी यह सब्ज़ी बैक्टीरिया की ग्रोथ को रोकने का काम करती है। आप चाहें तो केल की जगह पालक का भी उपयोग कर सकती हैं।

खीरा एक नैचुरल हाइड्रेटिंग सब्ज़ी है, जिसमें पानी की मात्रा काफी ज़्यादा होती है। यह विटामिन-के और बीटा-केरोटीन से भी भरा होता है, जो शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल्स से निपटते हैं।

ऐसे आसानी से बनाएं ये जूस

1. सभी चीज़ों को पानी से अच्छी तरह धो लें। आप इन्हें कुछ देर पानी के एक कटोरे में डुबोकर भी रख सकते हैं।
2. सबसे पहले मिक्सी में केल डालें, फिर अदरक, नींबू और खीरा डाल दें। अब इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक यह सभी चीज़ें अच्छी तरह पिस न जाएं। अगर आपको पल्प वाला जूस पसंद है, तो इसे थोड़ा कम पीसें।
3. इस जूस को किसी एयर-टाइट जार में भर दें और कुछ देर फ्रिज में रख दें। फिर इसे फ्रिज से निकालकर गिलास में डालें और पुदीने से गार्निश कर पी लें।

तुलसी की पत्तियों से मिलते हैं ढेरों फायदे

तुलसी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई रोगों से बचाने में सहायक है। तुलसी का इस्तेमाल भोजन से लेकर दवाओं तक में किया जाता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स मौजूद होते हैं। तुलसी में जिंक, आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी, ए, ई, के आदि पाए जाते हैं।

यह एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बायोटिक्स गुणों से भरपूर होता है। शारीरिक बीमारियों के साथ बाल और स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में तुलसी काफी सहायक है।

सर्दी–खांसी

तुलसी की पत्तियों में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी वायरल गुण मौजूद होते हैं। जो किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने में मदद कर सकते हैं। अगर आपको सर्दी-खांसी की समस्या है, तो आप तुलसी की चाय पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए पानी में 8-10 तुलसी की पत्तियां डालें, अब इसे उबाल लें। फिर इसे छानकर गुनगुना कर लें। आप नियमित रूप से इसका सेवन कर सकते हैं। यह खांसी में कारगर साबित हो सकता है।

मुंह की बदबू

अगर मुंह से बदबू आती हैं, इससे राहत पाने के लिए आप तुलसी की पत्तियों का सेवन कर सकते हैं। यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप रोजाना तुलसी की 4-5 पत्तियों को चबाकर खा सकते हैं।

त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए

अगर आप स्किन की समस्याओं से परेशान हैं, तो तुलसी की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये मुंहासे, खुजली जैसी समस्या से बचाने में मदद करती हैं। इसके लिए आप तुलसी की पत्तियों का पेस्ट तैयार कर लें, अब इसे मुल्तानी मिट्टी में मिलाएं। इस मिश्रण को आप चेहरे पर लगा सकते हैं। हफ्ते में इस प्रक्रिया को दो बार कर सकते हैं।

मेमोरी बूस्टर

तुलसी में एंटी डिप्रेसेंट्स गुण मौजूद होते हैं, जो ब्रेन के लिए लाभदायक है। इसके नियमित सेवन से याददाश्त मजबूत हो सकती है। मेमोरी बूस्ट करने के लिए आप रोजाना खाली पेट तुलसी की 5-6 पत्तियां चबाकर खा सकते हैं या इसकी चाय भी पी सकते हैं।

आंखों के लिए

एक रिपोर्ट के अनुसार तुलसी की पत्तियों में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। मार्केट में कई आयुर्वेदिक आई ड्रप्स उपलब्ध हैं, जिनमें इसकी पत्तियों का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसका उपयोग करने से पहले डॉक्टर से जरूर परामर्श लें।

अल्जाइमर को नजरअंदाज करना पड़ सकता है सेहत पर भारी

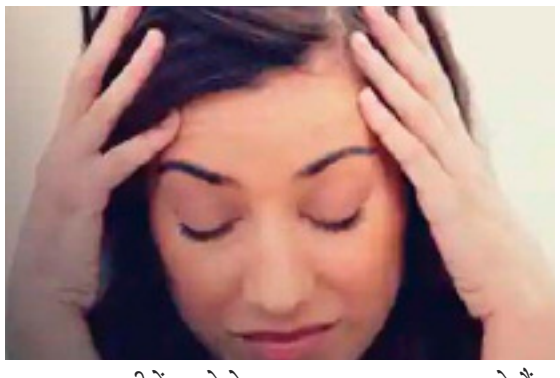

क्या आप चीजें रखने के बाद अक्सर भूल जाया करते हैं या फिर आपको किसी चीज को याद करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, अगर इन सवालों का जवाब हां में है तो आप अल्जाइमर रोग के शिकार हो सकते हैं।अल्जाइमर रोग दुनियाभर में तेजी से बढ़ते न्यूरोलॉजिकल विकारों में से एक है। इसे डेमेंशिया का सबसे सामान्य प्रकार भी माना जाता है। अल्जाइमर रोग के कारण लोगों का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो सकता है। ऐसे मेंआइए जानते हैं आखिर क्या है अल्जाइमर रोग, इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या है अल्जाइमर रोग–

अल्जाइमर रोग एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जिसमें मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं, कई मामलों में मस्तिष्क में सिकुड़न की भी समस्या हो सकती है। आसान शब्दों में समझें तो अल्जाइमर रोग एक मानसिक विकार है, जिसके कारण मरीज की याद्दाश्त कमजोर हो जाती है और उसका असर दिमाग के कार्यों पर पड़ता है।आमतौर पर यह मध्यम उम्र या वृद्धावस्था में दिमाग के ऊतकों को नुकसान पहुंचने के कारण होता है।यह डिमेंशिया का सबसे आम प्रकार है, जिसका असर व्यक्ति की याद्दाश्त, सोचने की क्षमता, रोजमर्रा की गतिविधियों पर पड़ता है

अल्जाइमर के लक्षण–

-आपकी दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करने वाली स्मृति में कमी
-समस्या सुलझाने में कठिनाई
-भाषण या लेखन के साथ परेशानी
-समय या स्थानों के बारे में भ्रमित हो जाना
-निर्णय लेने में कमी
-व्यक्तिगत स्वच्छता में कमी
-मनोदशा और व्यक्तित्व में परिवर्तन
-दोस्तों, परिवार और समाज से दूरी
-धूम्रपान से बचें ।
-नियमित रूप से व्यायाम करें।

BNM Fantasy

Wednesday
03 January 2024

ओरी ने ठुकराई पलक तिवारी की माफी

ओरी उर्फ ओरहान अवात्रामणि इंटरनेट सेंसेशन हैं. वह सोशल मीडिया की दुनिया में एक ऐसा नाम बन चुके हैं जो आए दिन खबरों में छाए रहते हैं. फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक न होने के बावजूद ओरी हर बॉलीवुड स्टार के फेवरेट हैं. इन दिनों ओरी एक बार फिर सुर्खियों में छाए हुए हैं, लेकिन इस बार वह अपनी किसी फोटो को लेकर नहीं बल्कि अपने एक चैट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस चैट में ओरी श्वेता तिवारी की बेटी और एक्ट्रेस पलक तिवारी को अपमानजनक बातें कहते दिख रहे हैं.

म

मोनालिसा के पति विक्रांत सिंह राजपूत कटघरे में लेकर आईं आम्रपाली दुबे

भोजपुरी की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने फिटनेस आइकन विक्रांत सिंह राजपूत को कटघरे में खड़ा कर दिया, जिसके बाद बवाल मच गया. विक्रांत की छवि इंडस्ट्री में काफी साफ रही है, लेकिन आम्रपाली दुबे (Amrapali Dubey) से आखिर ऐसा क्या हो गया कि आम्रपाली उन्हें कोर्ट तक खींच लाई और जज के सामने उन्हें कटघरे में अपनी सफाई पेश करनी पड़ी. अब इसकी तस्वीर भी वायरल हो रही है, जिससे लोगों में काफी उत्सुकता है कि आखिर हुआ क्या? बात ये है कि मामला पूरी तरह से फिल्मी और रील लाइफ से जुड़ा है. आम्रपाली दुबे और विक्रांत सिंह राजपूत रेणुविजय फिल्म्स इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' में साथ नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल, सह निर्माता सुशांत उज्जवल व डॉ संदीप उज्जवल और लेखक सह निर्देशक सोमभूषण श्रीवास्तव हैं. और विक्रांत सिंह राजपूत का कटघरे में खड़ा फोटो फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' का ही है, जो इन दिनों वायरल भी हो रहा है. इस फिल्म में आम्रपाली दुबे और विक्रांत सिंह राजपूत पति पत्नी की भूमिका में नजर आने वाले हैं. इसमें जहां आम्रपाली का लुक एक हाउस वाइफ की तरह दिख रहा है, वहीं विक्रांत सिंह राजपूत एक साधारण से सरकारी बाबू की तरह नजर आ रहे हैं. फिल्म की कहानी क्या है, यह अभी आउट नहीं हुआ है। लेकिन ये बताया जा रहा है कि फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' एक अलग टायप की स्टोरी वाली फिल्म है,

माधुरी नए साल पर पहुंचीं सिद्धिविनायक मंदिर

पति और बच्चों संग टेका माथा

बॉलीवुड सितारों ने धूम-धाम से नए साल का स्वागत किया. जहां ज्यादातर बॉलीवुड सितारों ने पार्टी कर शानदार तरीके से 2024 की शुरुआत की. वहीं बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने गणपति बप्पा के दर्शन कर नए साल की शुरुआत की है. माधुरी दीक्षित पति श्रीराम नेने और बेटे के साथ बप्पा के दर्शन करने सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची थीं. एक्ट्रेस ने परिवार संग माथा टेक नया साल मंगलमय होने की कामना की और साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी अपकमिंग फिल्म की सफलता के लिए भी गणपति बप्पा से आशीर्वाद लिया. माधुरी दीक्षित जल्द ही एक मराठी फिल्म में नजर आने वाली हैं. एक्ट्रेस की मराठी फिल्म 'पंचक' जल्द ही रिलीज होने वाली है. ये फिल्म 5 जनवरी को रिलीज होने के लिए तैयार है. सिद्धिविनायक में दर्शन के दौरान माधुरी दीक्षित सूट पहने दिखीं. वहीं उनके पति श्रीराम नेने बेटे संग लाल रंग के कुर्ते में ट्विनिंग करते दिखे. एक्ट्रेस ने दर्शन के बाद वहां मौजूद फैंस के साथ फोटो भी खिंचवाई. माधुरी दीक्षित की सादगी फैंस को खासा आकर्षित करते दिखी. उनका सादगी भरा अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वाहवाही बटोर रहा है. बप्पा के दर्शन के बाद एक्ट्रेस ने बप्पा की फोटो और माला के साथ भी पोज दिए. अगर वर्क फ्रंट पर बात करें तो माधुरी दीक्षित ने बॉलीवुड और मराठी फिल्मों के अलावा ओटीटी पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है. वह साल 2022 में वेब सीरीज 'फेम गेम' में नजर आई थीं. इस सीरीज में एक्ट्रेस के अपोजिट संजय कपूर दिखे थे और दोनों की जोड़ी पर्दे पर एक बार फिर पुराना जादू दोहराने में सफल रही थी. उसके बाद माधुरी दीक्षित फिल्म 'मजा मा' में भी दिख चुकी हैं. 'मजा मा' में एक्ट्रेस गजराज राव, बरखा सिंह और सिमोन सिंह संग नजर आई थीं.